# हीमोफीलिया के लिये जीन थेरेपी उपचार

[स्रोत: द हिंदू](#)

भारतीय वैज्ञानिकों ने **हीमोफीलिया A के लिये** एक नवीन[जीन थेरेपी](#) विकसित की है, जो **बार-बार दिये जाने वाले क्लॉटिंग फैक्टर इंजेक्शन के स्थान पर एक बार में उपचार प्रदान करती है।**

- वेल्लोर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में किये गए परीक्षण में पाँच रोगियों को एक वर्ष से अधिक समय तक रक्तस्राव की कोई समस्या नहीं हुई।
- हीमोफीलिया A एक **आनुवंशिक विकार** है जो **फैक्टर VIII की कमी** के कारण होता है, जो **रक्त के थक्के बनने में** बाधा उत्पन्न करता है। भारत में 40,000 से 100,000 तक रोगी हैं तथा यह विश्व में हीमोफीलिया से प्रभावित लोगों की दूसरी सबसे बड़ी आबादी है।
    - हीमोफीलिया A **X-लिंक्ड अप्रभावी पैटर्न में वंशानुगत होता है। दोषपूर्ण X गुणसूत्र** वाले पुरुषों में **हीमोफीलिया होता है,** जबकि महिलाओं को **प्रभावित होने के लिये दो दोषपूर्ण X गुणसूत्रों की आवश्यकता होती है।**
    - जीन थेरेपी वर्तमान उपचारों का एक किफायती विकल्प है, जिसकी लागत दस वर्षों में 2.54 करोड़ रुपए तक हो सकती है और यह आजीवन प्रभावी होती है।
- **जीन थेरेपी में रोगी की कोशिकाओं में दोषपूर्ण जीन को स्वस्थ जीन से प्रतिस्थापित किया जाता है।**
- **रॉक्टेवियन,** एकमात्र अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा अनुमोदित जीन थेरेपी है, जो यकृत में**फैक्टर VIII उत्पादन के लिये जीन परिवहन हेतु एडेनोवायरस वेक्टर का उपयोग** करती है, लेकिन यह **बच्चों के लिये अनुमोदित नहीं है।**
- वेल्लोर परीक्षण में एक **लेंटिवायरस** वेक्टर का उपयोग किया गया, जिसे **बच्चों के लिये अधिक सुरक्षित और संभावित रूप से उपयुक्त** माना गया, तथा जो सीमित संसाधनों वाली परिस्थितियों में जीन थेरेपी के लिये नई संभावनाएँ प्रदान करता है।

**और पढ़ें:** [विश्व हीमोफीलिया दिवस](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gene-therapy-treatment-for-haemophilia